The teachers of IIMPACT are devoted and dedicated. It is because of this that our girls are learning fast and now have good writing skills. A sample of this is given below. These are stories written by our girls themselves.

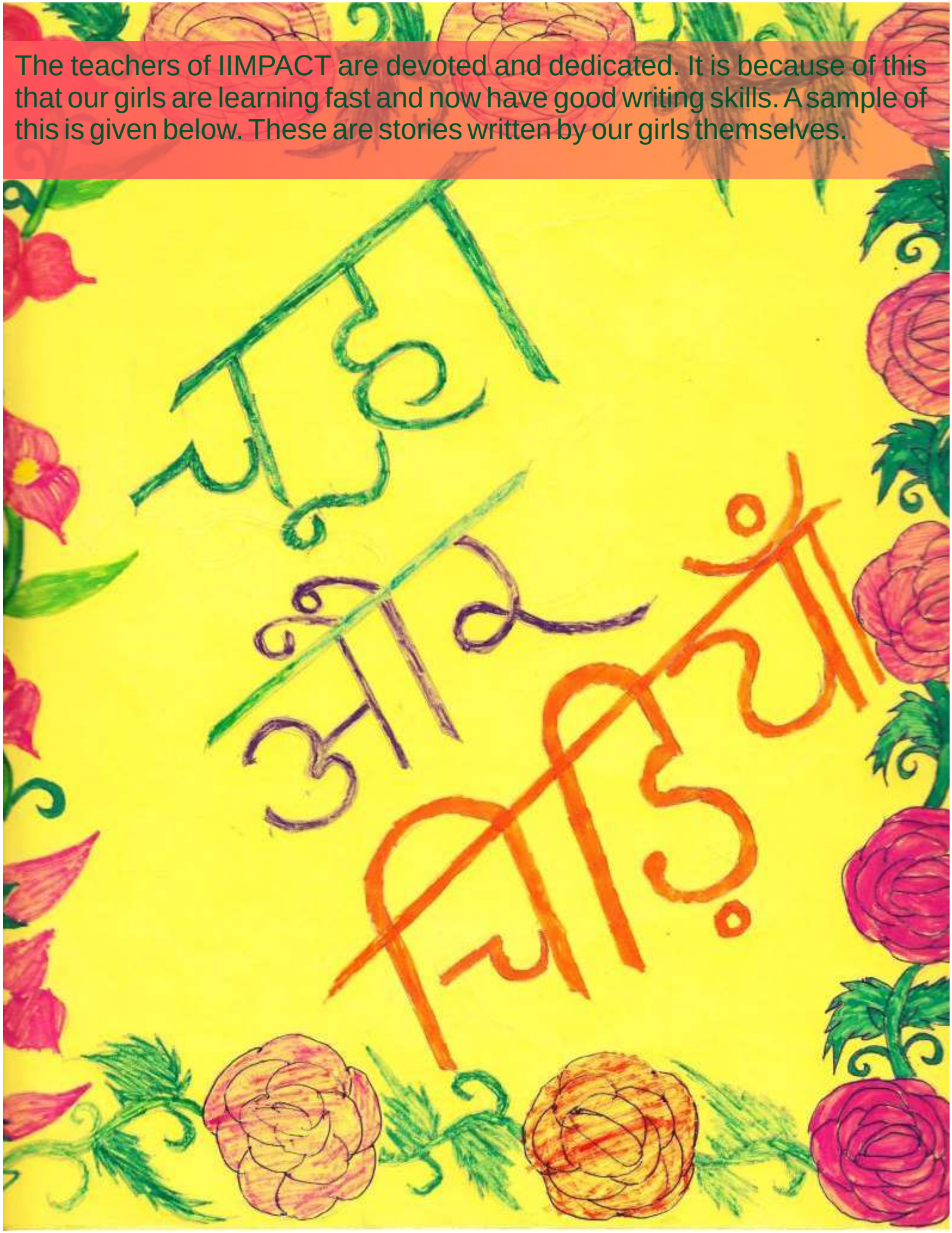

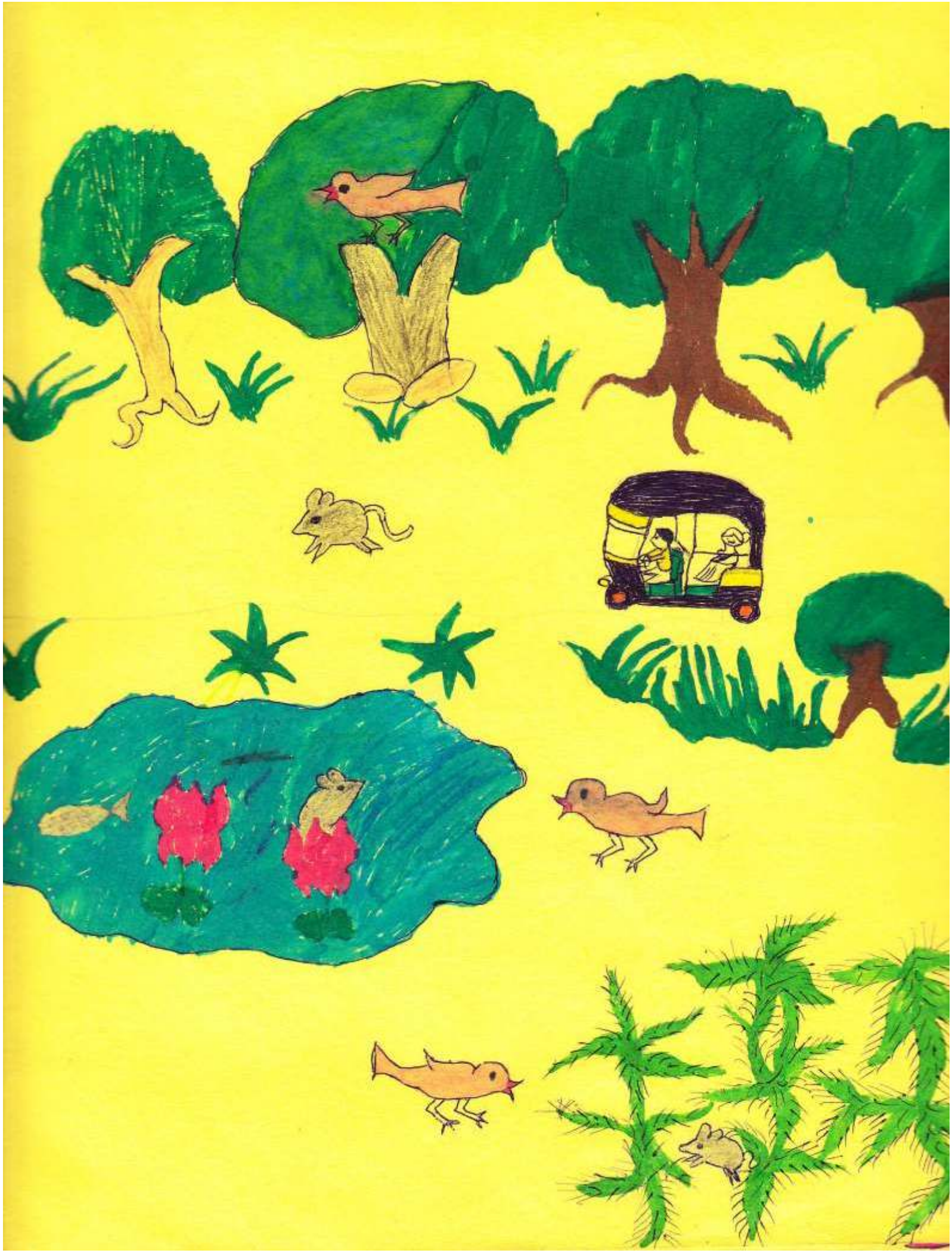

चूहा और चिड़ियाँ

एक चूहा था। और एक चिड़ियाँ थी। दोनो
दोस्त थे। एक दिन दोनो घुमने निकले चिड़ि
उड़ते-उड़ते जा रही थी चूहा रास्ता मे दौड़ते-दौ
जा रहा था। उसी समय एक टेम्पू गाड़ी आय
और चूहा को चिप दिया तो चिड़ियाँ देखी और
हाय रे चूहा तो चिपा गया तब चूहा बोला हम तो
मालिस करा रहे है। फिर दोनो जाने लगे जाते-जाते
तालाब मे चूहा घुस गया। चिड़ियाँ देखी और बोली ह
चूहा तो पानी मे डूब गया। चूहा बोला हम तो स्नान कर
हे फिर निकल गया और दोनो जाने लगे जाते-जाते चू
काटा मे घुस गया तब चिड़ियाँ देखी और बोली हा
चूहा को काटा चूभ रहा है चूहा बोला हम तो सूई ले
हा और निकल आया फिर दोनो जाने लगे चूहा मर
चिड़ियाँ रोने लगी रोते-रोते चिड़ियाँ भी मर गई।

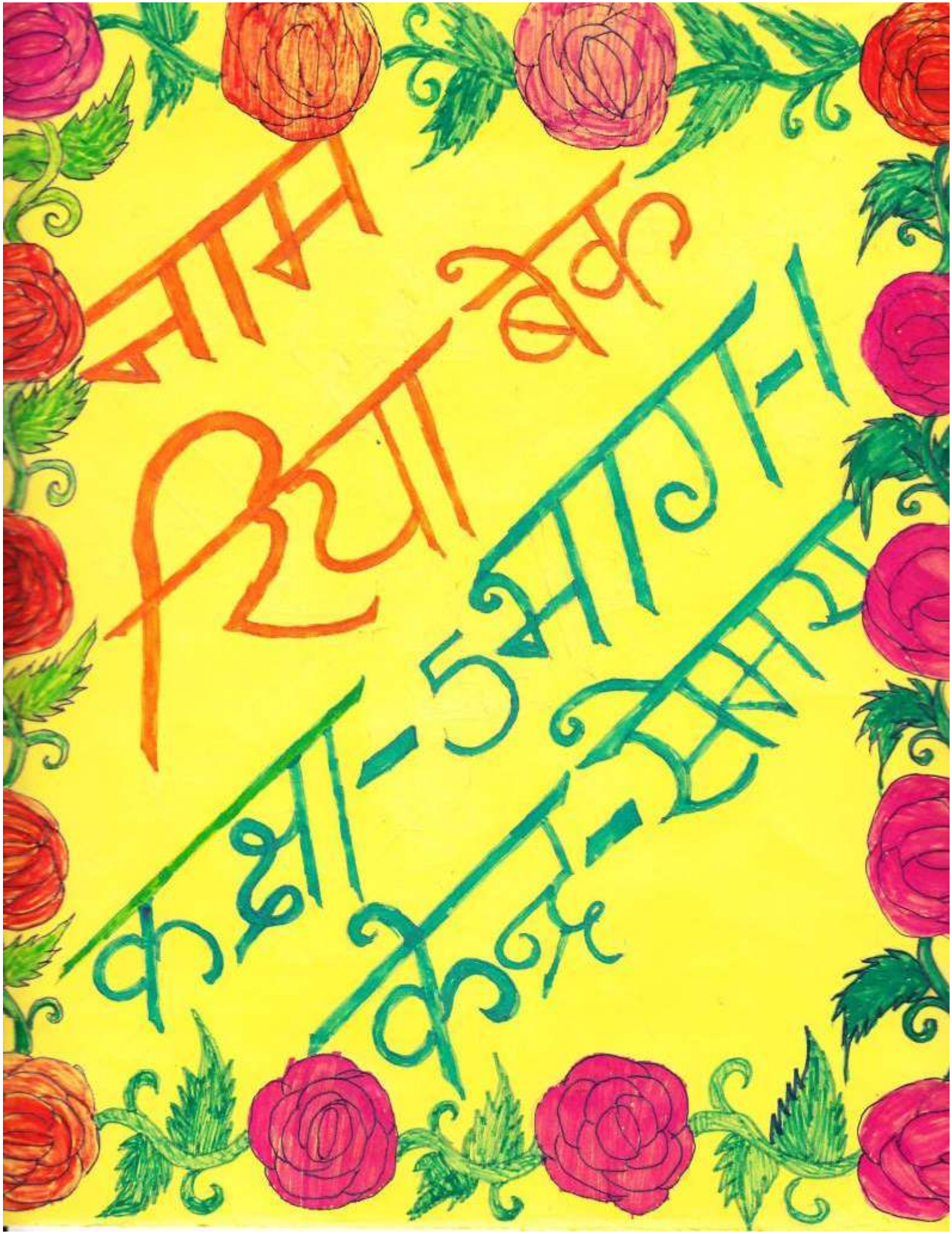

नाम - रिया बेक

कक्षा - 5 भाग - 1

केन्द्र - सत

तोता और प्रिया

एक तोता था। और एक लड़की थी। लड़की का नाम प्रिया थी। लड़कि
का कोई नही वह तोता के साथ रहती थी। दोनो में दोस्ती थी
थी एक दिन दोनो जंगल फल खाने गई थी तोता पेड़ पर चढ़ गया और
प्रिया पेड़ के निचे थी तोता प्रिया के लिए फल गिरा दे रहा था दोनो पेट
फल खाए और खुशी-खुशी घर लोट आये। प्रिया कुछ भी बोलती तो
ध्यान से सुनता और उसका जवाब देता था। एक दिन दोनो प्रिया व
तोता घर जा रहे थे जाते-जाते प्रिया को पानी पीने का मन किया प्रि
बोली हमको पानी पीने का मन कर रहा है तोता बोला तुम बैठो मै न
से पानी लाता हूँ तोता नदी के पास गया और साखिन पत्ता तोड़ा औ
पानी भर रहा था। उसी समय तोता का पैर फिसल गया और तोता
पानी में बहने लगा। तोता चिलाने लगा टे-टे-टे प्रिया सुनी और दौड़कर नदी
के पास गई तो देखी कि तोता नदी में बह रहा है। प्रिया झट से एक लकड़ी
को नदी पर फेक दी। तोता लकड़ी में बैठकर नदी से बाहर निकल गया। फिर दो
जाने लगे जाते-जाते रास्ते मे एक बुढा मिला बुढा तोता को देखकर बोला वह कित
अच्छा सुंदर सा तोता है। मै इसे पकड़ कर जाऊगाँ और तोता का सामने गय
और झट से तोता को पकड़ लिया और भागने लगा भागते-भागते अपना घर ले गय
प्रिया रोने लगी। मेरा कोई नही है बस तोता ही तो मेरा दोस्त था फिर वह सोची मै
अपना दोस्त को जरूर लाऊँगी और बुढा का घर जाने लगी प्रिया को बुढा का घर जाते-
जाते शाम हो गया बुढा आराम से सो रहा था। और तोता को पिंजरा में बंद कर दिया था
तोता अपना दोस्त प्रिया का इतजार कर रहा था उसे विश्वास था कि प्रिया उसे ढूढने जरू
आएगी लड़की चुपके से बुढा का घर गई और इधर-उधर देखने लगी उसे कुछ नही दिखा
दिया बस सिलोट लोरह। प्रिया सोची इसी से काम चलाती हूँ और बुढा के ऊपर सिलोट
लोरहा को रख दी और तोता को लेकर भाग गई बुढा नीद से जगा तो देख रहा है

चिल्लाने लगा बचाओ बचाओ। उधर प्रिया तोता को लेकर अपना घर चली गई। तोता बोला जो मुश्किल मे मदद करता है वही अच्छा दोस्त है।

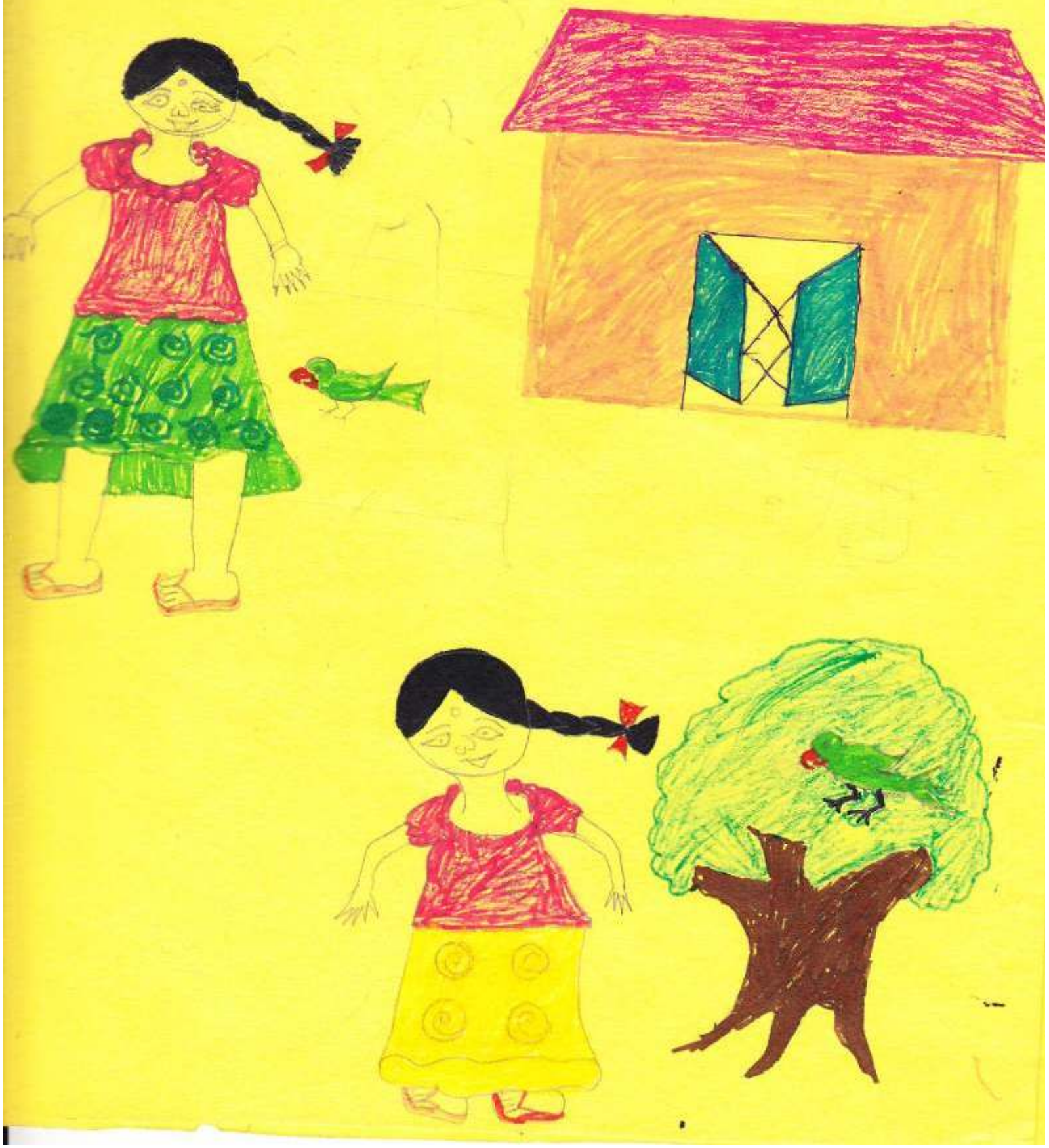

नाम सुशीला कश्यप

कक्षा 5 भाग 3

केन्द्र - सेमरा